Innovation and Incubation Centre

Shri Guru Ram Rai University Dehradun, Uttarakhand

"Intellectual Property Rights and Public Policy Issues"



Convenor

Dr. Meenu Chaudhary Coordinator: IPR cell IIC, SGRR University

Coordinator

Dr. Pankaj Chamoli Principal Coordinator IIC, SGRR University

Prof.(Dr.) Dwarika P. Maithani **Director** IIC, SGRR University

"Quest for Excellence"



SHRI GURU RAM RAI UNIVERSITY

(Established under Shri Guru Ram Rai University Act. No. 03 of 2017)

Schedule of Seminar

Topic: Intellectual Property Rights and Public Policy Issues"

Resource person:Dr. Pareshkumar Chandravadan Dave

Date: 19th November 2022

Time	programs				
2.00 pm	Lamp lightening				
2.05 pm	A brief introduction to SGRRU				
2.10 pm	Playing showcase of SGRR University				
2.20 pm	Welcome and felicitation of all guests				
2.30 pm	Welcome speech of V.C. Sir/ higher Management official				
2.45 pm	Brief about IPR cell of SGRR by Coordinator				
2.55 pm	Welcome and facilitation of the speaker				
3.00 pm	Session 1(Innovation and basics of Intellectual Property Rights)				
3.45 pm	Tea break				
4.00 pm	Session 2 (Patent Filing and prosecution in India)				
4.45 pm	Q & A session				
4.50 pm	Vote of thanks				
5.00 pm	National anthem				
	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·				

No. of Participant Register: 148



Phone: (0135) 2721763, 2721762, (0) 7248889111 / 222 Visit us at: sgrru.ac.in, Email: info@sgrru.ac.in

"Quest for Excellence"



SHRI GURU RAM RAI UNIVERSITY

(Established under Shri Guru Ram Rai University Act. No. 03 of 2017)

Ref: SGRRU/OC/2022/83

10th November, 2022

To,

All Deans/Dean-I/c & Principal -Respective Schools/Colleges

Dr. Sanjay Pandey, COE, SGRRU

Dr. Suman Vij - Director-I/c, IQAC

Dr. Lokesh Gambhir - Dean Research

Dr. Malvika Kandpal-Dean Academics

Dr. Manoj Gahlot- Chief Admin. Officer Dr. Kanchan Joshi - Dean Student Welfare

Mr. Manoj Chandra Tiwari-Chief Proctor-cum-spoke person

Mr. Sandeep Sharma-Sr. Account Officer

Office file

OFFICE - CIRCULAR

(Conducting one day seminar on Intellectual Property Rights on 19th November, 2022)

This is to inform that Innovation & Incubation Centre (IIC) SGRR University is organizing one day seminar on the theme "Intellectual Property Rights and Public Policy issues" on 19th November, 2022. Experts believe that it's crucial for the people involved in academics since they can learn the way in which they can safeguard their creations.

Hence, the participation of all faculty members & Ph.D. scholars is mandatory. To motivate complete participation of faculty members, management has decided to suspended all the classes on 19th November,2022 after lunch.

All the Deans/Dean-I/c & Principal are requested circulate this notice to all the faculty members & Ph.D scholars.

Dr. R.P.Singh

Registrar

SGRR University, Dehradun

Copy forwarded for kind information to:

1. The Honorable Chancellor Sir, SGRRU.

2. The Honorable Vice-Chancellor Sir, SGRRU.

3. Dr. Dwarika Prasad Maithani, IIC Director

4. Office File

Phone: (0135) 2721763, 2721762, (0) 7248889111 / 222 Visit us at: sgrru-ac.in, Email: info@sgrru.ac.in

About the talk

On Saturday 19th November 2022, the Innovation and incubation center of SGRR University organized a seminar on the Topic: "Intellectual Property Rights and Public Policy Issues by "Dr. Pareshkumar Chandravadan Dave". Dr. Dave is the Founder and Managing Director of IPMOMENT Company established in 2016. He is working in the field of intellectual property rights since 2006. He has a post-graduate diploma in Intellectual Property Rights from NALSAR University of Law, India. He is a registered Indian Patent Agent and also impaneled as an IP facilitator for the Government of India's Startups India scheme. He has helped companies to Identify, protect and maintain their IP of Patents, Trademarks, Designs, and copyrights.

Dr. Dave has drafted more than 800+ patent applications and filed them in various jurisdictions such as India, the USA, Canada, Australia, and China. Dr. Dave has also published two books in IPR. Presently, his organization IPMOMENT is offering webinars and online courses in IPR in the field of chemistry, various Engineering disciplines, and pharmaceuticals. IPMOMENT has continuously received the certificate of appreciation among "Most 20 Promising Patent and Trademark Law Firms" by Silicon India Magazine for two years in 2018 & 2019. IPMOMENT has won the India 500 best brand award in 2020.

In his first session, Dr. Dave shares information on statutory intellectual property rights. He told that patent law information can play an important role for new research scholars to protect the research work for a long time. He also said that government and private universities should provide updated information to their faculties and research scholar about IPR and Patent provisions. In the second session, he gave collective knowledge about Patent filing and prosecution in India and about Current Affairs in IPR Rules that will be reforming the imagination of AatmaNirbhar Bharat. He encouraged innovation in all private colleges and universities in the country and insisted on doing patents.

In this seminar, the School deans, faculty members, and scholars also clear their doubts regarding patent applications. It was certainly a great experience for faculties and research scholars. Overall we concluded that it was a very much knowledgeable and enthusiastic seminar at SGRR University.

Glimpse of Seminar



















The format of the e-certificate has been issued to all registered participants.



देश में नवाचार के साथ आईपीआर की जानकारी होना भी जरूरी

बौद्विक संपदा अधिकार पर हुई राष्ट्रीय सेमिनार

दिव्य आधार. कोटा। श्रीगुरु रामराय यूनिवर्सिटी, देहरादून के इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन सेटर द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और सार्वजनिक नीति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित की गई।

यूनिवसिंटी में आईसीसी विभाग के निदेशक डॉ. द्वारिका प्रसाद मैथानी ने बताया कि सेमिनार में आईपीआर के विशेषज्ञ एवं आईपी मोमेंट के संस्थापक निदेशक डॉ. परेश कुमार सी. दवे मुख्य बक्ता रहे। भारत में पेटेंट लेखन और फाइलिंग विशेषज्ञ डॉ. दवे ने देश में चल रहे नवाचार और आवश्यक बौद्धिक संपदा अधिकारों की वैधानिक जानकारी पर प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि पेटेंट कानून नए खोजकताओं के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और उनके शोध कार्य को लम्बे समय तक सुरक्षित रख सकता है। डॉ. दवे ने कहा कि देश की सभी सरकारी व प्राइवेट यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में रिसर्च स्कॉलर को आईपीआर एवं पेटेंट प्रावधानों के बारे में अपडेट जानकारी दी जानी चाहिये।



दूसरे सत्र में पेटेंट विशेषज्ञ डॉ दवे ने भारत में पेटेंट फाइलिंग और अभियोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईपीआर के नियमों में सामयिक सुधार करने से 'आत्मिनर्भर भारत' की परिकल्पना साकार हो सकेगी। उन्होंने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए देश के सभी निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को भी प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। इस सत्र में यूनिवर्सिटी के स्टुडेंट्स और फैकल्टी सदस्यों ग्रोखकार्य एवं पेटेट आवेदन से जुडे. सवाल पूछकर अपनी शंकाओं को दूर किया। एसजीआरआर के आईसीसी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शोधार्थियों को कई नई जानकारियां दी गई।

सेमिनार में आईपीआर सेल की हेड डाँ. मीनू बीधरी ने कहा कि यूनिवसिंटी स्टूडेंट्स में पेटेंट फाइलिंग एवं बौद्धिक सम्मदा अधिकार को जागरूकता वढाने के लिये विशेष कदम उठाये जायेंगे। सेमिनार में डाँ. पंकज चमोली एवं डाँ. मिनी श्रीवास्तव ने आईपीआर की तकनीकी जानकारी को शोधार्थियों के लिये बहुत उपयोगी बताया।

पेटेंट कानून शोधकर्ताओं के लिए मील का पत्थर

नवज्योति/कोटा। श्रीगुरु रामराय यूनिवर्सिटी देहरादून के इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन सेंटर की ओर से बौद्धिक संपदा अधिकार और सार्वजनिक नीति पर आयोजित वर्चुअल राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित हुई।जिसमें शिक्षा नगरी के शिक्षाविद्वों ने भाग लिया।

पेटेंट लेखन और फाइलिंग विशेषज्ञ डॉ. दवे ने देश में हो रहे नवाचार और आवश्यक बौद्धिक संपदा अधिकारों की वैधानिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटेंट कानून नए शोधकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और उनके शोध कार्य को लम्बे समय तक सुरक्षित रख सकता है। सरकारी व प्राइवेट यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में रिसर्च स्कॉलर को आईपीआर एवं पेटेंट प्रावधानों के बारे में अपडेट



जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने पेटेंट फाइलिंग और अभियोजन की जानकारी देते हुए कहा कि आईपीआर के नियमों में सामयिक सुधार करने से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना साकार हो सकेगी। देश के सभी निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को भी प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। इस सत्र में यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स और फैकल्टी सदस्यों ने शोधकार्य एवं पेंटेट आवेदन से जुड़े सवाल पूछकर अपनी शंकाओं को दूर किया। एसजीआरआर के आईसीसी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शोधार्थियों को कई नई जानकारियां दी गई। यूनिवर्सिटी में आईसीसी विभाग के निदेशक डॉ. द्वारिका प्रसाद मैथानी ने बताया कि आईपीआर के विशेषज्ञ एवं आईपी मोमेंट के संस्थापक निदेशक डॉ. परेश कुमार सी. दवे मुख्य वक्ता रहे। सेमिनार में आईपीआर सेल की हेड डॉ. मीनू चौधरी ने कहा कि यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स में पेटेंट फाइलिंग एवं बौद्धिक सम्पदा अधिकार की जागरूकता बढाने के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे।

देशा ध्व ज



बौद्विक संपदा अधिकार पर हुई राष्ट्रीय सेमिनार

देश में नवाचार के साथ आईपीआर की जानकारी होना भी जरूरी

दिशा न्यूज। कोटा.

श्रीगुरु रामराय यूनिवर्सिटी, देहरादून के इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और सार्वजिनक नीति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित की गई। यूनिवर्सिटी में आईसीसी विभाग के निदेशक डश्व द्वारिका प्रसाद मैथानी ने बताया कि सेमिनार में आईपीआर के विशेषज्ञ एवं आईपी मोमेंट के संस्थापक निदेशक डाॅ. परेश

कुमार सी. ववे मुख्य वक्ता रहे। भारत में पेटेंट लेखन और फाइलिंग विशेषज्ञ डॉ. ववे ने देश में चल रहे नवाचार और आवश्यक बौद्धिक संपदा अधिकारों की वैधानिक जानकारी पर प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि पेटेंट कानून नए खोजकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और उनके शोध कार्य को लम्बे समय तक सुरक्षित रख सकता है। डॉ. दवे ने कहा कि देश की सभी सरकारी व प्राइवेट यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में रिसर्च स्कॉलर को आईपीआर एवं पेंटेंट प्रावधानों के बारे में अपडेट जानकारी दी जानी चाहिये।

दूसरे सत्र में पेटेंट विशेषज्ञ डॉ. दवे ने भारत में पेटेंट फाइलिंग और अभियोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईपीआर के नियमों में सामयिक सुधार करने से 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना साकार हो सकेगी। उन्होंने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए देश के सभी निजी कश्वलेजों और विश्वविद्यालयों को भी प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। इस सन्न में यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स और फैकल्टी सदस्यों ने शोधकार्य एवं पेंटेट आवेदन से जुड़े सवाल पूछकर अपनी शंकाओं को दूर किया। एसजीआरआर के आईसीसी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शोधार्थियों को कई नई जानकारियां दी गई।

सेमिनार में आईपीआर सेल की हेड डॉ. मीनू चौधरी ने कहा कि यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स में पेटेंट फाइलिंग एवं बौद्धिक सम्पदा अधिकार की जागरूकता बढाने के लिये विशेष कदम उठाये जायेंगे। सेमिनार में डॉ. पंकज चमोली एवं डॉ. मिनी श्रीवास्तव ने आईपीआर की तकनीकी जानकारी को शोधार्थियों के लिये बहुत उपयोगी बताया।



अन्ता थाने में जन सुनवाई की

दिशा न्यूज। अन्ता.

बारां जिले के अंता में पुलिस महानिदेशक द्वारा सभी थानों में चलाये गए जन सुनवाई कार्यक्रम को लेकर अंता थाने में रोजाना दोपहर को जन सुनवाई कार्यक्रम शुरू कर दिया गया है जिससे आमजन को काफी राहत मिलने की उम्मीद नजर आने लगी है वोपहर 12 बजे से डेढ़ बजे तक जनसुनवाई की जाएगी जिसमें कोई भी पीड़ित आकर अपनी समस्या को बेझिझक बता सकता है स दूसरी और अक्सर देखा जाता है अधि कारियों से मिलने के लिए पीड़ित पक्षकार थानों के चक्कर काटते रहते है ऐसे में अब थानों में रोजाना होने

बौद्धिक संपदा अधिकार पर सेमिनार आयोजित

आईसीसी विभाग के निदेशक डॉ. सकता है। द्वारिका प्रसाद मैथानी ने बताया कि वक्ता रहे।

कोटा, (निसं)। श्रीगुरु रामराय बौद्धिक संपदा अधिकारों की वैधानिक युनिवर्सिटी, देहरादुन के इनोवेशन एवं जानकारी पर प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। इन्क्युबेशन सेंटर द्वारा बौद्धिक संपदा उन्होंने बताया कि पेटेंट कानून नए अधिकार और सार्वजनिक नीति पर खोजकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार भूमिका निभा सकता है और उनके शोध आयोजित की गई। यूनिवर्सिटी में कार्य को लम्बे समय तक सुरक्षित रख

डॉ. दवे ने कहा कि देश की सभी सेमिनार में आईपीआर के विशेषज्ञ एवं सरकारी व प्राइवेट युनिवर्सिटी व सधार करने से 'आत्मनिर्भर भारत' की में पेटेंट फाइलिंग एवं बौद्धिक सम्पदा आईपी मोमेंट के संस्थापक निदेशक कॉलेजों में रिसर्च स्कॉलर को परिकल्पना साकार हो सकेगी। डॉ. परेश कमार सी. दवे मख्य आईपीआर एवं पेंटेंट प्रावधानों के बारे

'देश में नवाचार के साथ आईपीआर की जानकारी होना भी जरूरी'

जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईपीआर सेल की हेड डॉ. मीन् आईपीआर के नियमों में सामयिक

में अपडेट जानकारी दी जानी चाहिये। लिए देश के सभी निजी कॉलेजों और सेमिनार में डॉ.पंकज चमोली एवं डॉ. भारत में पेटेंट लेखन और दूसरे सत्र में पेटेंट विशेषज्ञ डॉ दवे ने विश्वविद्यालयों को भी प्रोत्साहित मिनी श्रीवास्तव ने आईपीआर की फाइलिंग विशेषज्ञ डॉ. दवे ने देश में भारत में पेटेंट फाइलिंग और करने पर जोर दिया। इस सत्र में तकनीकी जानकारी को शोधार्थियों के चल रहे नवाचार और आवश्यक अभियोजन के बारे में विस्तार से युनिवर्सिटी के स्टुडेंट्स और फैकल्टी लिये बहुत उपयोगी बताया।

सदस्यों ने शोधकार्य एवं पेंटेट आवेदन से जुड़े सवाल पूछकर अपनी शंकाओं को दूर किया। एसजीआरआर के आईसीसी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शोधार्थियों को कई नई जानकारियां दी गई। सेमिनार में चौधरी ने कहा कि युनिवर्सिटी स्ट्डेंट्स अधिकार की जागरूकता बढाने के उन्होंने नवाचार को बढावा देने के लिये विशेष कदम उठाये जायेंगे।

देश में नवाचार के साथ आईपीआर की जानकारी होना भी जरूरी

बौद्धिक संपदा अधिकार पर हुई राष्ट्रीय सेमिनार

बहता राजस्थान

कोटा (हेमंत शर्मा)। श्रीगुरु रामराय युनिवर्सिटी, देहरादन के इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार और सार्वजनिक नीति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित की गई। युनिवर्सिटी में आईसीसी विभाग के निदेशक डॉ.द्वारिका प्रसाद मैथानी ने बताया कि सेमिनार में आईपीआर के विशेषज्ञ एवं आईपी मोमेंट के संस्थापक निदेशक डॉ. परेश कुमार सी. दवे मुख्य वक्ता रहे। भारत में पेटेंट लेखन और फाइलिंग विशेषज्ञ डॉ. दवे ने देश में चल रहे नवाचार और आवश्यक बौद्धिक संपदा अधिकारीं की वैधानिक जानकारी पर प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि पेटेंट



कानून नए खोजकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और उनके शोध कार्य को लम्बे समय तक सुरक्षित रख सकता है। डॉ. दवे ने कहा कि देश की सभी सरकारी व प्राइवेट यूनिवर्सिटी व कॉलेजों में रिसर्च स्कॉलर को आईपीआर एवं पेंटेंट प्रावधानों के बारे में अपडेट जानकारों दी जानी चाहिये। दसरे सत्र में पेटेंट विशेषज्ञ डॉ दवे ने भारत में पेटेंट फाइलिंग और अभियोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईपीआर के नियमों में सामियक सुधार करने से 'आत्मिनिर्भर भारत' की परिकल्पना साकार हो सकेगी। उन्होंने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए देश के सभी निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को भी प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। इस सत्र में यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स और फैकल्टो सदस्यों ने शोधकार्य एवं पेंटेट आवेदन से जुड़े सवाल पूछकर अपनी शंकाओं को दूर किया। एसजीआरआर के आईसोसी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शोधार्धियों को कई नई जानकारियां दी गई। सेमिनार में आईपीआर सेल की हेड डॉ.



मोन् चौधरी ने कहा कि
यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स में पेटेंट
फाइलिंग एवं बौद्धिक सम्पदा
अधिकार की जागरूकता बढाने के
लिये विशेष कदम उठाये जायेंगे।
सेमिनार में डॉ. पंकज चमोली एवं
डॉ. मिनी श्रीवास्तव ने आईपीआर
को तकनीकी जानकारी को
शोधार्थियों के लिये बहुत उपयोगी
बताया।

(

7

को के के भूर नग

नग शाः आ द्वार सम् भूर लि की नग शाः